B.Ed. IInd Year

Subject :- Knowledge Language & Curriculum

Topic :- केन्द्रिक पाठ्यक्रम
Core Curriculum

विषय केन्द्रित और बाल केन्द्रित पाठ्यक्रमों के विरोध में हुई प्रतिक्रियाओं के फलस्वरूप केन्द्रिक पाठ्यक्रम का विकास हुआ। इस पाठ्यक्रम में कुछ विषय तो अनिवार्य होते हैं जिनका अध्ययन करना प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अनिवार्य होता है। और कुछ विषय ऐच्छिक या वैकल्पिक होते हैं, जिनको विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार चुनता है। केन्द्रिक पाठ्यक्रम का लक्ष्य बालक के व्यक्तित्व का विकास करना है।

केन्द्रिक पाठ्यक्रम इस बात पर बल देता है कि विद्यालय को समाज के विभिन्न उत्तरदायित्वों को स्वीकार करना चाहिए और ऐसे नागरिक तैयार करने चाहिए जो सामाजिक दृष्टि से कुशल हो और समाज तथा राष्ट्र के लिए कल्याणकारी हो।

कैसवेल के अनुसार :- "केन्द्रिक पाठ्यक्रम विद्यार्थी के महत्वपूर्ण व्यक्तित्व एवं सामाजिक समस्याओं से जुड़ा हुआ है।"

स्पीयर्स के अनुसार :- "केन्द्रिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के सामान्य विकास पर केन्द्रित है।"

डॉ० पी० माए० के अनुसार :- "केन्द्रिक पाठ्यक्रम विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास से जुड़ा हुआ है।"

P.T.O.

केन्द्रिक पाठ्यक्रम की विशेषताएँ :

⇒ यह पाठ्यक्रम बाल केन्द्रित होता है और इसका आधार मनोविज्ञान है।
⇒ यह पाठ्यक्रम जीवन की समस्याओं को सुलझाने मे सहायता करता है।
⇒ यह पाठ्यक्रम क्रियात्मक होता है।
⇒ यह पाठ्यक्रम जीवन की समस्याओं को सुलझाने मे सहायता करता है।
⇒ यह पाठ्यक्रम सामान्य शिक्षा पर बल देता है।
⇒ यह पाठ्यक्रम बालकों को क्रिया द्वारा अनुभव तथा क्रिया कार्य की इकाइयों पर बल देता है।

केन्द्रिक पाठ्यक्रम के गुण :

⇒ मनोविज्ञान पर आधारित होने के कारण इस पाठ्यक्रम मे बालकों की रुचियों, अभिरुचियों और आवश्यकताओं को महत्व दिया जाता है।
⇒ इस पाठ्यक्रम मे शिक्षण समस्या केन्द्रित होता है और इससे विद्यार्थियों की समस्याओं को हल करने का अनुभव प्राप्त होता है।
⇒ यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सार्थक प्रायुक्त और प्रयोजनशील अनुभव प्रदान करता है।
⇒ इस पाठ्यक्रम मे समस्या सुलझाने पर बल दिया जाता है।
⇒ इस पाठ्यक्रम मे समय आदि के बन्धन नहीं होते।
⇒ यह पाठ्यक्रम ऐसा साधन है जिससे बालक अपने दैनिक जीवन के क्रियाकलाप एवं चतुर्दिक वातावरण से अपना सम्बन्ध स्थापित करता है और उसके साथ समायोजन की क्षमता प्राप्त करता है।
⇒ यह पाठ्यक्रम बालक की रचनात्मक शक्ति का विकास करता है।
⇒ इसमे अधिकांशतः शैक्षिक कार्यक्रम विद्यार्थी और शिक्षक मिलकर आयोजित करते हैं।
⇒ इसके अन्तर्गत व्यापक निर्देशन कार्यक्रम की व्यवस्था रहती है।

P.T.O

केन्द्रिक पाठ्यक्रम की सीमाएँ

⇒ दो या दो से अधिक विषयों का सम्मिश्रण शिक्षक पर शिक्षण की आवश्यकताओं का भार बढ़ाता है।

⇒ व्यावहारिक दृष्टि से इस पाठ्यक्रम में पाठ्य सामग्री बहुत कम होती है। विद्यार्थी के बहुत से महत्वपूर्ण अनुभवों को इसमें स्थान नहीं मिल पाता।

⇒ केन्द्रिक पाठ्यक्रम द्वारा सीखने में कोई क्रमशीलता नहीं होती।

⇒ उच्च माध्यमिक स्तर पर जहाँ पाठ्यवस्तु का स्तर और परिमाण बढ़ जाता है; वहाँ इसके कार्यान्वयन में विशेष कठिनाई आती है।

⇒ भारत जैसे देश में केन्द्रिक पाठ्यक्रम का प्रचलन बहुत कठिन है, क्योंकि यहाँ इसके लिए न तो प्रशिक्षित शिक्षक है, और न ही उपकरण व अन्य संसाधन।

केन्द्रिक पाठ्यक्रम के मुख्य विषय

- भाषा
- स्वास्थ्य विज्ञान और शारीरिक शिक्षा
- सामान्य विज्ञान
- गणित
- सामाजिक अध्ययन
- शिल्प कला, ललित कलाएँ एवं अन्य कौशल

Thank you

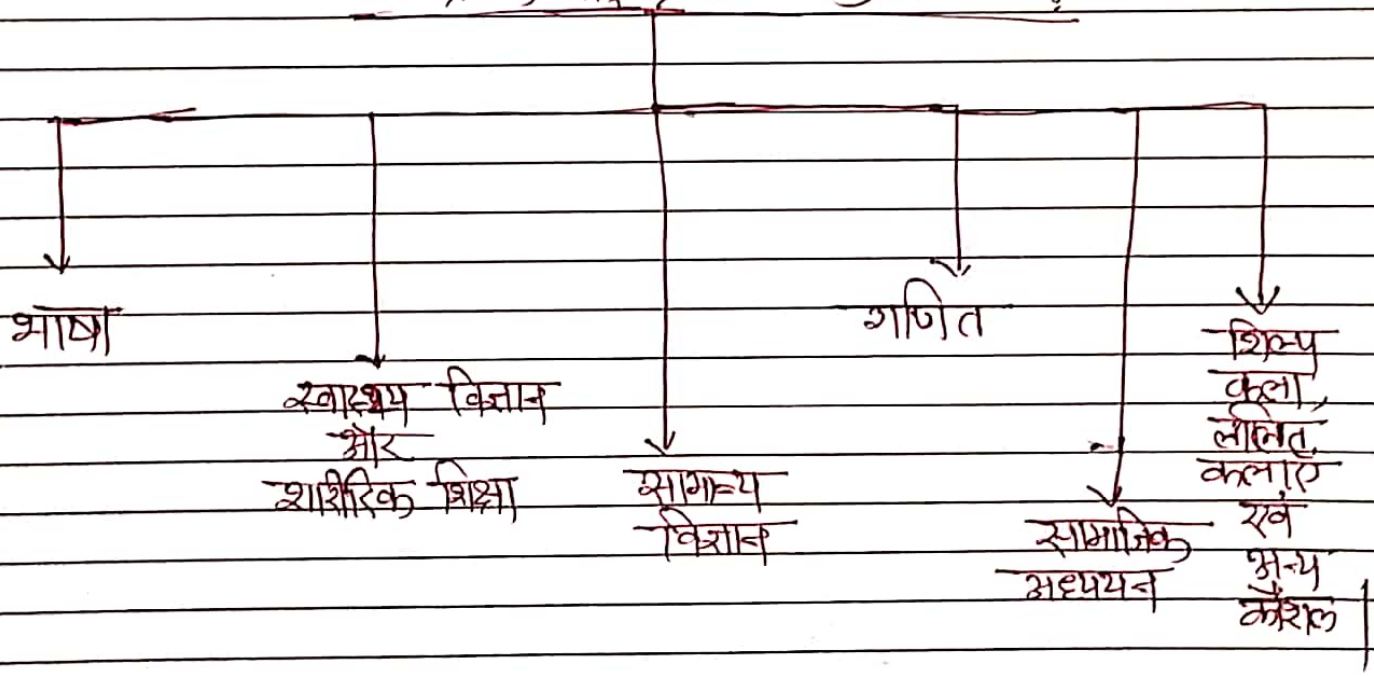

by
Mr. Praveen Raj
Assis. Prof.
B.R.C.D.
(SRE)

Scanned with CamScanner